Raj Express (Indore), 30th March 2026, Page- 04

10 करोड़ के अवसंरचना निवेश व 20 करोड़ के स्टार्टअप समर्थन

सात साल में 100 स्टार्टअप्स, 200-300 रोजगार के अवसर बनेंगे

5,000 वर्ग फुट को-वर्किंग व इन्क्यूबेशन स्पेस और 5,000 वर्ग फुट उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना से युक्त, सिंहासा आईटी पार्क में लॉन्चपैड : इन्क्यूबेशन व इनोवेशन सेंटर शुरू

इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

मध्य प्रदेश में डीप-टेक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में लॉन्चपैडः इन्क्यूबेशन व इनोवेशन सेंटर का शुभारंभ सिंहासा आईटी पार्क, इंदौर में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में किया गया। यह केंद आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (आईआईटी इंदौर का टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन व रिसर्च पार्क) और एमपीएसईडीसी की ओर से, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत एक संयुक्त पहल के रूप में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य डीप-टेक

नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को सशक्त करना और उद्योग व अकादमिक जगत के बीच सहयोग को मजबूत करना है। लगभग 10 करोड़ के अवसंरचना निवेश व 20 करोड़ के स्टार्टअप समर्थन के साथ, यह केंद्र आगामी 7 वर्षों में लगभग 100 स्टार्टअप्स को विकसित करने व 200-300 रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखता है।

10 हजार वर्ग फुट में विकसित केंद्र

लगभग 10,000 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित यह केंद्र 5,000 वर्ग फुट को-वर्किंग व इन्क्यूबेशन स्पेस और 5,000 वर्ग फुट उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना से युक्त है, जिसमें एक इंटेलिजेंट मैन्युफैक्चरिंग लैब शामिल है, जो उत्पाद प्रोटोटाइपिंग, परीक्षण व सत्यापन को सक्षम बनाती है। यह केंद्र विचार से लेकर व्यावसायीकरण तक संपूर्ण नवाचार प्रक्रिया को समर्थन प्रदान करेगा व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई/एमएल), इंडस्ट्री 4.0, रोबोटिक्स, डिजिटल हेल्थकेयर व उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं, एमएसएमई व नवाचारकर्ताओं को सक्षम बनाएगा।

उद्यमिता का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के परिचय से हुई, जिसके बाद उद्घाटन समारोह व सुविधा भ्रमण आयोजित किया गया। इसमें स्टार्टअप्स के साथ संवाद व तकनीकी प्रदर्शन शामिल हुए। निदेशक प्रो. सुहास जोशी, डॉ. के. सिवन (पूर्व अध्यक्ष, इसरो व अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी इंदौर), एम. सेल्वेंद्रन (प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्य प्रदेश शासन) सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी, एमपीएसईडीसी के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, संकाय सदस्य व छात्र उपस्थित रहे। यह केंद्र मध्य प्रदेश को डीप-टेक नवाचार व उद्यमिता का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।